http://www.jiwajionline.com

Roll No. .....

V – 175

B. A. (First Year)
EXAMINATION, 2019
HINDI LITERATURE
Paper – II
HINDI KATHA SAHITYA

Time : Three Hours

Maximum Marks : 40 (For Regular Students)

Minimum Pass Marks : 33%

Maximum Marks : 50 (For Private Students)

Minimum Pass Marks : 33%

नोट- (i) सभी प्रश्नों के अंक उनके सम्मुख अंकित हैं।

(ii) प्रश्न-पत्र इकाईवार विभाजित है।

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं **तीन** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए- $4 \times 3 = 12/5 \times 3 = 15$

(क) 'रुदन में कितना उल्लास, कितनी शांति, कितना बल है। जो कभी एकांत में बैठकर

http://www.jiwajionline.com

किसी की स्मृति, किसी के वियोग में सिसक सिसककर और बिलख बिलखकर नहीं रोया, वह जीवन के ऐसे सुख से वंचित है जिस पर सैंकड़ों हँसियां न्यौछावर हैं। हँसी के बाद मन खिन्न हो जाता है, आत्मा क्षुब्ध हो जाती है। रुदन के पश्चात् एक नवीन स्फूर्ति, एक नवीन जीवन, एक नवीन उत्साह का अनुभव होता है।

अथवा

साथ रहने की यन्त्रणा भी बड़ी विकट थी और अलगाव का त्रास भी। अलग रहकर भी वह ठंडा युद्ध कुछ समय तक जारी ही नहीं रहा बल्कि अनजाने ही अपनी जीत की संभावनाओं को एक नया सम्बल मिल गया था कि अलग रहकर ही शायद सही तरीके से महसूस होगा कि सामने वाले को खोकर क्या कुछ अमूल्य खो दिया है।

(ख) घीसू खड़ा हो गया और जैसे उल्लास की लहरों में तैरता हुआ बोला, "हाँ, बेटा बैकुण्ठ में जायेगी। किसी को सताया नहीं, किसी को दबाया नहीं। मरते-मरते हमारी जिन्दगी की

http://www.jiwajionline.com

http://www.jiwajionline.com

सबसे बड़ी लालसा पूरी कर गई। वह न बैकुण्ठ में जायेगी तो क्या ये मोटे-मोटे लोग जाएँगे, जो गरीबों को दोनों हाथों से लूटते हैं और अपने पाप को धोने के लिए गंगा में नहाते हैं और मन्दिरों में जल चढ़ाते हैं।"

अथवा

मरने के लिए उसे वही जगह वही दस बरष की उम्र और वही काले चिथड़ों की कमीज मिली। आदमियों की दुनिया ने बस यही उपहार उसके पास छोड़ा था। पर बताने वालों ने बताया कि गरीब के मुँह पर, छाती, मुट्ठी और पैरों पर बरफ की हल्की-सी चादर चिपक गई थी। मानो-दुनिया की बेहयाई ढँकने के लिए प्रकृति ने शव के लिए सफेद और ठण्डे कफन का प्रबंध कर दिया था।

(ग) जब मेहमान बैठ गए और माँ पर से सबकी आँखें हट गई, तो माँ धीरे-से कुर्सी पर से उठी और सबसे नजरें बचाती हुई अपनी कोठरी में चली गई। मगर कोठरी में बैठने की देर थी कि आँखों से छल-छल आँसू बहने लगे वह दुपट्टे से बार-बार उन्हें पोंछ

http://www.jiwajionline.com

बार बार उमड़ आते, जैसे बरसों का बाँध तोड़ कर उमड़ आए हों। माँ ने बहुतेरा दिल को समझाया, हाथ जोड़े, भगवान का नाम लिया, बेटे के चिरायु होने की प्रार्थना की बार बार आँखें बंद कीं मगर आँसू बरसात के पानी की तरह जैसे थमने में ही न आते थे।

अथवा

दरअसल उस 'हम' (समाज) की अवहेलना नहीं कर सकता था कोई। तभी तो स्वयं रामबाबू समाज-भय से आतंकित थे। समाज की खरी-खोटी सुनने का भय त्याग आखिर उन्होंने हिम्मत जुटाई। अपनी बेटी के लिए वर और घर वही चुना।

2. हिन्दी कहानी के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए। 7/9

अथवा

हिन्दी उपन्यास के प्रमुख तत्वों की विवेचना कीजिए।

अथवा

कहानी के तत्वों के आधार पर 'कफन' अथवा 'चीफ की दावत' कहानी की समीक्षा कीजिए।

http://www.jiwajionline.com

http://www.jiwajionline.com

3. 'गबन' उपन्यास की नायिका जालपा का चरित्र चित्रण कीजिए। 7/9

अथवा

'आपका बंटी' उपन्यास की समस्या क्या है ? इस समस्या से बंटी क्यों प्रभावित है ?

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के लघु उत्तर दीजिए- $3\times3=9/3\times4=12$

(i) अमृतलाल नागर के पाँच उपन्यासों के नाम लिखिए।

(ii) यशपाल के कथा साहित्य की विषय-वस्तु बताइए।

(iii) डॉ. धर्मवीर भारती के तीन प्रमुख कहानी-संग्रहों के नाम लिखिए।

(iv) कृष्णा सोबती के उपन्यासों की विशेषतायें लिखिए।

(v) मालती जोशी की कहानियों की प्रमुख विशेषता क्या है ? संक्षेप में लिखिए।

(vi) डॉ. मीनाक्षी स्वामी की भाषा-शैली पर प्रकाश डालिए।

http://www.jiwajionline.com

http://www.jiwajionline.com

5. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए 5/5

(i) हिन्दी का सर्वप्रथम मौलिक उपन्यास कौन सा है

(क) कल्याणी

(ख) चन्द्रकान्ता संतति

(ग) गबन

(घ) परीक्षा गुरू

(ii) हिन्दी के उपन्यास सम्राट कहे जाते हैं-

(क) भगवती प्रसाद बाजपेयी

(ख) जयशंकर प्रसाद

(ग) वृंदावन लाल वर्मा

(घ) मुंशी प्रेमचंद

(iii) 'चीफ की दावत' कहानी के लेखक कौन हैं-

(क) अमरकांत

(ख) भीष्म साहनी

(ग) मुंशी प्रेमचंद

(घ) यशपाल

(iv) 'गबन' उपन्यास की मूल-समस्या क्या है-

http://www.jiwajionline.com

http://www.jiwajionline.com

(क) अनमेल विवाह

(ख) आभूषण प्रेम

(ग) रिश्वत की समस्या

(घ) धार्मिक पाखंड

(v) 'अपना अपना भाग्य' में किस शहर का वर्णन है

(क) देहरादून

(ख) मसूरी

(ग) खंडाला

(घ) नैनीताल

http://www.jiwajionline.com

http://www.jiwajionline.com

http://www.jiwajionline.com
Whatsapp @ 9300930012
Your old paper & get 10/-
पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,
Paytm or Google Pay से